Bhartiyam International School

Periodic Assessment – 1 (2022-23)
Subject: Hindi (Set-1)
Class: IX

Date: 00/00/2022 **Max. Mark: 40**
Name: _____ Roll No: _____ Dur: 1 hr 30 min.

निर्देश- १.सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

२.कार्य सुलेख के साथ करें।

३.प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार दें।

(खंड -क पठित बोध)

प्रश्न 1- नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (1X5=5)

वह वृक्ष जो चौराहे पर खड़ा है, सदा से ठूँठ नहीं है। दिन थे जब वह हरा भरा था और उस जनसंकुल चौराहे पर अपनी छतनार डालियों से बटोहियों की थकान अनजाने दूर करता था। पर मैंने उसे सदा ठूँठ ही देखा है। पत्रहीन, शाखाहीन, निरवलंब, जैसे पृथ्वी रूपी आकाश से सहसा निकलकर अधर में ही टंग गया हो। रात में वह काले भूत-सा लगता है, दिन में उसकी छाया इतनी गहरी नहीं हो पाती जितना काला उसका जिस्म है और अगर चितेरे को छायाचित्र बनाना हो तो शायद उसका-सा 'अभिप्राय' और न मिलेगा। प्रचंड धूप में भी उसका सूखा शरीर उतनी ही गहरी छाया ज़मीन पर डालता जैसे रात की उजियारी चाँदनी में। जब से होश संभाला है, जब से आँख खोली है, देखने का अभ्यास किया है, तब से बराबर मुझे उसका निस्पंद, नीरस, अर्थहीन शरीर ही दिख पड़ा है।
पर पिछली पीढ़ी के जानकार कहते हैं कि एक जमाना था जब पीपल और बरगद भी उसके सामने शरमाते थे और उसके पत्तों से, उसकी टहनियों और डालों से टकराती हवा की सरसराहट दूर तक सुनाई पड़ती थी। पर आज वह नीरव है, उस चौराहे का जवाब जिस पर उत्तर-दक्षिण, पूरब-पश्चिम चारों और की राहें मिलती हैं और जिनके सहारे जीवन अविरल बहता है। जिसने कभी जल को जीवन की संज्ञा दी, उसने निश्चय जाना होगा की प्राणवान जीवन भी जल की ही भांति विकल, अविरल बहता है। सो प्राणवान जीवन, मानव संस्कृति का उल्लास उपहार लिए उन चारों राहों की संधि पर मिलता था जिसके एक कोण में उस प्रवाह से मिल एकांत शुष्क आज वह ठूँठ खड़ा है। उसके अभाग्यों परंपरा में संभवतः एक ही सुखद अपवाद है – उसके अंदर का स्नेहरस सूख जाने से संज्ञा का लोप हो जाना। संज्ञा लुप्त हो जाने से कष्ट की अनुभूति कम हो जाती है।

क – आम की छतनार डालियों के कारण क्या होता था?

ख – आम के वृक्ष के सामने पीपल और बरगद के शरमाने का क्या कारण था?

ग – वृक्ष के लिए सुखद अपवाद क्या है?

घ – जल और जीवन में समानता बताइए।

ङ – वृक्ष की क्या-क्या विशेषता बताई गई है?

प्रश्न 2- नीचे दिए गए काव्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (1X5=5)

हम प्रचंड की नई किरण हैं, हम दिन के आलोक नवल। ।
हम नवीन भारत के सैनिक, धीर, वीर, गंभीर, अचल।
हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्रि के, सुरभि स्वर्ग की लेते हैं।
हम हैं शांति-दूत धरणी के, छाँह सभी को देते हैं।
वीर प्रसू माँ की आँखों के, हम नवीन उजियाले हैं।
गंगा, यमुना, हिंद महासागर के हम ही रखवाले हैं।
तन-मन-धन तुम पर कुर्बान,
जियो, जियो जय हिंदुस्तान !

हम सपूत उनके, जो नर थे, अनल और मधु के मिश्रण।
जिनमें नर का तेज प्रखर था, भीतर था नारी का मन।
एक नयन संजीवन जिनका, एक नयन था हालाहल।
जितना कठिन खड्ग था कर में उतना ही अंतर के मल।
थर-थर तीनों लोक काँपते थे जिनकी ललकारों पर।
स्वर्ग नाचता था रण में जिनकी पवित्र तलवारों पर।
हम उन वीरों की संतान
जियो, जियो जय हिंदुस्तान।

क – कविता में 'हम' कौन हैं?
ख – भारतवासी हिंदुस्तान पर क्या-क्या न्योछावर करना चाहते हैं, क्यों?
ग – हम कैसे वीरों की संतान है?
घ – मानव के दो पर्यायवाची बताइए ।
ङ– काव्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

(खंड ख : व्याकरण बोध)

प्रश्न 3- निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए –

क - निम्नलिखित शब्दों में समास बताते हुए समास विग्रह कीजिए – **(1X4=4)**

i) – रक्तांबर ii) – त्रिवेणी iii) – शापग्रस्त iv) – मृगनयनी

ख – दिए गए शब्दों में से उपसर्ग, प्रत्यय और मूल शब्दों को अलग कीजिए – **(1X4=4)**

i) – प्रागैतिहासिक ii) – सुकुमारता iii) – सुसज्जित iv) – अज्ञानता

(**खंड ग : पठित बोध)**

प्रश्न 4- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (**2X6=12**)

क – 'दो बैलों की कथा' कहानी में किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंध को किस तरह व्यक्त किया गया है?

ख – इतना तो हो ही गया कि नौ दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगें'-मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए ।

ग – हीरा और मोती ने शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाई लेकिन उसके लिए प्रताड़ना भी सही। हीरा-मोती की इस प्रतिक्रिया पर तर्क सहित अपने विचार प्रकट करें।

घ – कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न कर आँधी से क्यों की ?

ङ – संकलित साखियों और पदों के आधार पर कबीर के धार्मिक और सांप्रदायिक सद्भाव संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।

च – किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या उसके कर्मों से ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(खंड घ : लिखित बोध)

प्रश्न 5- आपके चाचा जी ने आपके लिए कुछ पुस्तकें भेजी हैं । उन पुस्तकों की उपयोगिता एवं आवश्यकता बताते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए। **5**

अथवा

अपने विद्यालय की प्राचार्या को पुस्तकालय में नवीनतम विषयों से संबंधित पुस्तकें और पत्रिकाएँ मंगाने के लिए निवेदन पत्र लिखिए ।

प्रश्न 6- निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए । **5**

कामकाजी स्त्रियों की चुनौतियाँ

- प्राचीनकाल में नारी की स्थिति
- वर्तमान में नौकरी की आवश्यकता
- दोहरी भूमिका और चुनौतियाँ
- सुरक्षा और सोच में बदलाव की आवश्यकता।

अथवा

मर्यादित जीवन का आधार : सादा जीवन उच्च विचार

- भारतीय संस्कृति और सादा जीवन उच्च विचार
- महत्ता
- महापुरुषों ने अपना सादा जीवन उच्च विचार
- वर्तमान स्थिति।